(b) Government decision in this behalf will depend on the techno-economic merits as also socio-economic benefits and the priority of the industry in the Plan.

लेखकों और पत्रकारों की पाकिस्तानी युद्ध-बन्दियों के मामले में प्रधान मंत्री के साथ बैठक

6146. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **विदेश** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में कुछ लेखक और पत्रकार उनसे मिले थे और अनुरोध किया था कि पाकिस्तानी युद्धबन्दियों को रिहा कर दिया जाये ; और

(ख) यदि हां, तो उनके नाम क्या हैं और बातचीत का सारांश क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) जी हां।

(ख) सर्वश्री खुशवन्त सिंह, जी०एल० मेहता, किशन चन्दर और ख्वाजा अहमद अब्बास पाकिस्तानी युद्धबन्दियों को जल्दी छोड़ देने की सम्भावना पर बातचीत करने के लिए 5 मार्च, 1973 को प्रधान मन्त्री से मिले थे। प्रधान मन्त्री जी ने इस मामले पर सरकार के सर्वविदित सैद्धान्तिक निर्णय से उन्हें अवगत करा दिया।

श्रम कल्याण केन्द्र अस्पताल, झुमरीतल्लैया, बिहार

6147. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **श्रम और पुनर्वास** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्रम कल्याण केन्द्र, झुमुरीतल्लया, बिहार में श्रमिकों के लिए कितने बैडों के अस्पताल है और क्या वहां बाहरी व्यक्तियों से इलाज की भी व्यवस्था है ;

(ख) क्या वहां डाक्टरों की संख्या आवश्यकता से अधिक है और दवाओं की व्यवस्था भरपूर मात्रा में नहीं है ; और

(ग) बाहरी व्यक्तियों के इलाज की व्यवस्था "आउटडोर" के रूप में किए जाने में सरकार को क्या कठिनाई है ?

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : (क) अभ्रक खान श्रमिक कल्याण संगठन के अन्तर्गत कर्मा (झुमुरीतल्लैया) में अस्पतालों में अभ्रक खनिकों के लाभ के लिए 150 पलंगों की व्यवस्था है। बहिरंग मरीजों के उपचार के लिए सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

(ख) जी नहीं।

(ग) अभ्रक खान श्रमिक कल्याण निधि अधिनियम के अन्तर्गत व्यवस्थित की गई चिकित्सीय और अन्य सुविधाओं के लिए अभ्रक खान श्रमिकों के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति हकदार नहीं हैं। इसलिए निधि के अस्पतालों और औषधालयों में उनके चिकित्सा के लिए राज्य सरकार अंशदान दिया करती थी। यह किये गये खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हुआ। तथापि, उन्होंने अब यह बताया है कि उनके अंशदान को बढ़ाने का एक प्रस्ताव उनके विचाराधीन है। फलतः, निधि चिकित्सा की सुविधाओं को गैर अभ्रक खनिकों को भी दे रही है जो कि वह पहले पा रहे थे।

Development of Mechanical Mine Layer to lay and bury anti-tank non-detectable Mines

6148. SHRI RAJDEO SINGH:
SHRI BIBHUTI MISHRA:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether a mechanical mine layer to lay and bury anti-tank non-detectable mines has been developed by the Research and Development Establishment of the Defence Ministry at Poona; and

(b) if so, whether this mechanical mine layer will speed up mining in large areas?

THE MINISTER STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) and (b). Yes, Sir.

Sample Survey to Ascertain Employment Pattern of Graduates

6149. DR. H. P. SHARMA:
SHRI M. S. SIVASWAMY:

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether Government have undertaken a sample survey to ascertain the employment pattern of graduates in the country;

(b) the salient features and precise objectives of the survey.

(c) the agency which has been assigned with the job and the basis on which the areas or persons to be subjected to the survey are to be chosen; and

(d) the time by which the survey is likely to be completed?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI G. VENKATSWAMY): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). A statement is attached.

(d) The Report of the Survey is likely to be completed by the end of March, 1974.

STATEMENT

The survey relates to the employment pattern of graduates (including post-graduates) and diploma holders in Engineering/Technology (equivalent to graduates) who had obtained their degree/diploma during the year 1968 from any University, Polytechnic etc. in the country. The object of the survey is to bring out relationship between the education and employment of these graduates.

The Survey is being conducted by the Directorate General of Employment and Training in the Ministry of Labour and Rehabilitation under the technical guidance of a Committee of Direction comprising representatives of Planning Commission, University Grants Commission etc. The selection of alumni for the survey is based on the following criteria:—

(i) all post-graduates (including doctorates), graduates with honours, graduates in professional/technical subjects and other graduates who have secured Ist Division;

(ii) 50 per cent of the graduates who have secured second division; and

(iii) 25 per cent of the graduates who have secured third division and the Engineering diploma holders.

The lists of addresses for the Survey are obtained directly from Universities/Colleges-Polytechnics which are sampled on the above basis. To the sampled alumni the prescribed questionnaire is mailed.

दिल्ली में घटिया किस्म के कोयले की सप्लाई

6150. **श्री फूलचन्द वर्मा**: क्या इस्पात और खान मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में कोयले की दुकानों से बहुत बड़ी मात्रा में चूरा और रेत मिला हुआ कोयला उपभोक्ताओं को बेचा जा रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो इस प्रकार का घटिया कोयला सप्लाई किये जाने के क्या कारण हैं ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुखदेव प्रसाद) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता है।